Govt. Hydro Engineering College Bandla at Bilaspur students industrial visit to Atal Tunnel, Rohtang.

Media Coverage

सबसे ऊंची अटल टनल की बारीकियां जान रहे विद्यार्थी

अन्य राज्यों से 225 तो हिमाचल के 400 बच्चों ने किया भ्रमण

हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बिलासपुर के 35 विद्यार्थी अटल टनल के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान ● सौजन्य : तकनीकी शिक्षा निदेशालय

जागरण संवाददाता, मंडी : देश की सबसे बेहतरीन व ऊंची यातायात सुरंग अटल टनल रोहतांग के निर्माण की बारीकियां देश व प्रदेश के विद्यार्थी जान रहे हैं। टनल के खुलने के बाद से अब तक देश के विभिन्न कालेजों से 225 के करीब विद्यार्थी यहां पहुंचे हैं, जबकि प्रदेश के 400 के करीब विद्यार्थियों ने इसका भ्रमण कर इसके निर्माण की बारीकियां जानी हैं।

तीन अक्टूबर 2020 को अटल टनल के उद्घाटन के वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंजीनियरिंग और अन्य तकनीकी शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को यहां का भ्रमण करवाने की सलाह दी थी। इसके बाद अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद

आइटीआइ, बहुतकनीकी संस्थान, हाइड्रो व इंजीनियरिंग कालेजों के विद्यार्थी पहुंचे, मोदी ने अटल टनल के उद्घाटन के समय दी थी सलाह

ने इस पर कार्रवाई करते हुए सभी प्रदेशों के तकनीकी निदेशालयों को इस संबंध में आदेश दिए हैं। अभी तक दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश से 225 विद्यार्थी और हाइड्रो कालेज बिलासपुर, बहुतकनीकी संस्थान सुंदरनगर 40, कुल्लू के 116, रैहन के 50, इंजीनियरिंग कालेज नगरोटा बगवां के विद्यार्थियों सहित कुल 400 के करीब विद्यार्थी अभी तक यहां का दौरा कर चुके हैं। बहुतकनीकी संस्थान सुंदरनगर के प्रधानाचार्य उप्पल ने बताया कि टनल के दौरे के लिए पहुंचा 40 विद्यार्थियों का बैच जा चुका है।

अटल टनल की खासियत

अटल टनल रोहतांग दुनिया की सबसे ऊंची 10,040 फीट पर बनी यातायात सुरंग है। करीब नौ किलोमीटर लंबी इस टनल का निर्माण 3200 करोड़ रुपये से हुआ है। इसमें प्रति दिन 5000 वाहन गुजर सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से यहां हर व्यवस्था है। यहां पर 250 मीटर दूरी पर सीसीटीवी कैमरा, अग्निशमन यंत्र, किसी दुर्घटना का पता लगाने की सुविधा है।

अटल टनल की बारीकियां जान रहे देश व प्रदेश के विद्यार्थी

अब तक अन्य राज्यों से 225 तो हिमाचल के 400 बच्चों ने किया भ्रमण

जागरण संवाददाता, मंडी : देश की सबसे बेहतरीन व ऊंची वातायात सुरंग अटल टनल रोहतांग के निर्माण की बारीकियां देश व प्रदेश के विद्यार्थी जान रहे हैं। टनल के खुलने के बाद से अब तक देश के विभिन्न कालेजों से 225 के करीब विद्यार्थी यहां पहुंचे हैं, जबकि प्रदेश के 400 के करीब विद्यार्थियों ने इसका भ्रमण कर इसके निर्माण की बारीकियां जानी हैं।

तीन अक्टूबर 2020 को अटल टनल के उद्घाटन के वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंजीनियरिंग और अन्य तकनीकी शिक्षा ले रहे विद्यार्थियों को यहां का भ्रमण करवाने की सलाह दी थी। इसके बाद अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ने इस पर कार्रवाई करते हुए सभी प्रदेशों के तकनीकी निदेशालयों को इस संबंध में आदेश दिए हैं।

अभी तक दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश से 225 विद्यार्थी और हाइड्रो कालेज बिलासपुर, बहुतकनीकी संस्थान सुंदरनगर 40, कुल्लू के 116, रैहन के 50, इंजीनियरिंग कालेज नगरोटा बगवां के विद्यार्थियों सहित कुल 400 के करीब विद्यार्थी अभी तक यहां का दौरा कर चुके

हाइड्रो इंजीनियरिंग कालेज बिलासपुर के 35 विद्यार्थी अटल टनल के भ्रमण के दौरान ● सौजन्य तकनीकी शिक्षा निदेशालय

अच्छा प्रयास

- आइटीआइ, बहुतकनीकी संस्थान, इंजीनियरिंग कालेजों के विद्यार्थी पहुंचे
- पीएम मोदी ने अटल टनल के उद्घाटन के समय दी थी सलाह

हैं। बहुतकनीकी संस्थान सुंदरनगर के प्रधानाचार्य उप्पल ने बताया कि टनल के दौरे के लिए पहुंचा 40 विद्यार्थियों का बैच जा चुका है और अगले सप्ताह 50 बच्चों का बैच और जाएगा। यहां पर बीआरओ की टीम इसके निर्माण कार्य किस तरह से किया गया और यह किस तरह सुरक्षित है इसकी जानकारी मुहैया करवा रहे हैं। तकनीकी शिक्षा निदेशक विवेक चंदेल ने बताया कि तकनीकी पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों के लिए अटल टनल निर्माण का बेहतरीन उदाहरण है। सभी तकनीकी संस्थानों को आदेश दिए गए हैं कि बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण जरूर करवाया जाए।

अटल टनल की खासियत

अटल टनल रोहतांग दुनिया की सबसे ऊंची 10,040 फीट पर बनी यातायात सुरंग है। करीब नौ किलोमीटर लंबी इस टनल का निर्माण 3200 करोड़ रुपये से हुआ है। इसमें प्रति दिन 5000 वाहन गुजर सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से यहां हर व्यवस्था है। यहां पर 250 मीटर दूरी पर सीसीटीवी कैमरा, अग्निशमन यंत्र, किसी दुर्घटना का पता लगाने की सुविधा है।